हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–259 : जौनपुर, गुरुवार 22 जून 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

दो वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं पाकिस्तान के लोग : योगी

संवाददाता

लखनऊ। हमारा कर्म एक भारत, श्रेष्ठ भारत को समर्पित होना चाहिए। हमें विरासत पर गौरव की अनुभूति होनी चाहिए और वह विरासत विकास की प्रक्रिया से जुड़ता दिखना चाहिए।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि आज भारत और पाकिस्तान के बीच का फर्क पूरी दुनिया देख रही है और भारत जहां 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रहा है, वहीं पाकिस्तान के लोग दो वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर स्थित महंत दिग्विजयनाथ पार्क में आयोजित जनसभा में भारत और पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा, भारत के स्वतंत्र होने से एक दिन पूर्व पाकिस्तान बन गया था, मगर आज भारत और पाकिस्तान के बीच का फर्क पूरी दुनिया देख रही है। उन्होंने कहा, आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आज का भारत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन देता है, वहीं पाकिस्तान में

एक किलो आटे के लिए छीनाझपटी होती है। भारत में खुशहाली व समृद्धि है तो पाकिस्तान में लोग दो वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं।आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर गोरखपुर में 2604 करोड़ रुपये से अधिक की 727 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 2427. 63 करोड़ रुपये के 692 विकास कार्यों का शिलान्यास तथा 176.83 करोड़ रुपये के 35 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। साथ में उन्होंने सात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर हेल्थ एटीएम का भी लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नौ वर्ष के दौरान सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के लिए नई दृष्टि दी है। उन्होंने कहा, रामराज्य की पहली शर्त है सेवा। मत, मजहब, सम्प्रदाय, क्षेत्र से परे हम सबमें एक ही भाव होना चाहिए। हमारा कर्म एक भारत, श्रेष्ठ भारत को समर्पित होना चाहिए। हमें विरासत पर गौरव की अनुभूति होनी चाहिए और वह विरासत विकास की प्रक्रिया से जुड़ता दिखना चाहिए।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देश को यह नई दृष्टि मिली है। आदित्यनाथ ने कहा कि मोदी ने देश को सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का मॉडल दिया है जबकि कांग्रेस की सरकार में 'भ्रष्टाचार का मॉडल' था। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, कांग्रेस के एक प्रधानमंत्री ने खुद माना था कि 100 रुपये में से 15 रुपये ही धरातल पर पहुंचते थे। बाकी के 85 रुपये दलाल खा जाते थे। आज योजनाओं का पूरा पैसा सीधे जनता के बैंक खातों में पहुंचता है। बीच में एक रुपये खाने की हिम्मत कोई नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर उपस्थित लोगों को 2024 के लोकसभा चुनाव में जाति, मत, मजहब, संप्रदाय से ऊपर उठकर उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों को भारी बहुमत से भाजपा को जीतने का संकल्प दिलाया।

राजनाथ ने आईएनएस विक्रांत पर सवार नौसेना कर्मियों के साथ किया योग

एजेंसी

कोच्चि। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारत द्वारा पेश किए गए और बड़ी संख्या में देशों द्वारा सह–प्रायोजित एक प्रस्ताव का पारित करने के बाद 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने की घोषणा की थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारत के पहले स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर सवार सैकड़ों नौसेना कर्मियों के साथ योग समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने विशाल विमान वाहक पोत पर समारोह का नेतृत्व किया और करीब एक घंटे तक योगासन भी किए। समारोह में 'अग्निवीरों' ने भी एकता तथा कल्याण की भावना को आत्मसात करते हुए योग किया।नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार और नौसेना तथा रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारत द्वारा पेश किए गए और बड़ी संख्या में देशों द्वारा सह–प्रायोजित एक प्रस्ताव का पारित करने के बाद 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने की घोषणा की थी। पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था।

मुर्मू, मोदी, पटनायक समेत कई नेताओं ने रथयात्रा के मौके पर शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी और सभी के अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और आध्यात्मिक समृद्धि की कामना की।भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की पुरी स्थित गुंडिचा मंदिर तक की नौ दिवसीय रथ यात्रा शुरू होने के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक समेत कई नेताओं ने मंगलवार को लोगों को शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के अवसर पर देशवासियों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, ''भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा प्रारंभ होने के अवसर पर सभी देशवासियों, विशेष रूप से भगवान जगन्नाथ के भक्तों को मैं हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। मैं महाप्रभु जगन्नाथ से प्रार्थना करती हूं कि भक्ति और समर्पण का यह त्योहार सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। जय जगन्नाथ।'' प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी और सभी के अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और आध्यात्मिक समृद्धि की कामना की। मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ''रथ यात्रा की सभी को शुभकामनाएं। हम इस पवित्र अवसर

का उत्सव मना रहे हैं, ऐसे में भगवान जगन्नाथ की दिव्य यात्रा हमारे जीवन को स्वास्थ्य, खुशी और आध्यात्मिक समृद्धि से भर दे।'' ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने ट्वीट किया, ''भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद और आपके सहयोग से आइए हम नए ओडिशा के विकास का मार्ग प्रशस्त करें।'' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि श्री जगन्नाथ रथ यात्रा सनातन संस्कृति का एक अत्यंत पावन उत्सव है, जिसे देश के करोड़ों श्रद्धालु अत्यंत भक्तिभाव से मनाते हैं।उन्होंने ट्वीट किया, ''रथ यात्रा का यह पर्व सभी के जीवन में शान्ति, समृद्धि व वैभव लाए।'' इस बीच, पुरी में 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष के साथ भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की पहाड़ी (शोभा यात्रा) शुरू हुई। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने बताया कि पहाड़ी सुबह साढ़े नौ बजे बजे शुरू हुई और देवी–देवताओं की शोभायात्रा दोपहर साढ़े बजे तक संपन्न हो जाएगी।

केजरीवाल ने विपक्षी दलों को लिखा पत्र, सेवाओं पर नियंत्रण संबंधी केंद्र के अध्यादेश पर चर्चा की मांग की

एजेंसी

नयी दिल्ली। केजरीवाल ने जोर देकर कहा कि अध्यादेश एक उचित प्रयोग है और अगर केंद्र इसे दिल्ली में लागू करने में सफल होता है, तो वह अन्य गैर–भाजपा राज्यों के लिए भी इसी तरह के अध्यादेश लाएगा। पहले, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आधिकारिक तौर पर केंद्र के अध्यादेश पर चर्चा की मांग की है। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने पटना की बैठक में राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासनिक सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र के अध्यादेश पर चर्चा की

केजरीवाल ने इस बात पर जोर दिया कि बैठक में चर्चा की जाने वाली पहली बात राज्यसभा में केंद्र के अध्यादेश से संबंधित विधेयक को हराने के इर्द–गिर्द घूमनी चाहिए।लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ने की रणनीति तैयार करने के लिए 23 जून को पटना में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक से मांग को लेकर विपक्षी दलों को पत्र लिखा है। केजरीवाल ने जोर देकर कहा कि अध्यादेश एक उचित प्रयोग है और अगर केंद्र इसे दिल्ली में लागू करने में सफल होता है, तो वह अन्य गैर–भाजपा राज्यों के लिए भी इसी तरह के अध्यादेश लाएगा। केजरीवाल ने इस बात पर जोर दिया कि बैठक में चर्चा की जाने वाली पहली बात राज्यसभा में केंद्र के अध्यादेश से संबंधित विधेयक को हराने के इर्द–गिर्द घूमनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र ने यह अध्यादेश लाकर दिल्ली में एक प्रयोग किया है। यदि यह सफल होता है, तो यह गैर–बीजेपी राज्यों में समान अध्यादेश लाएगा और समवर्ती सूची में विषयों के संबंध में राज्यों की शक्तियों को छीन लेगा। केजरीवाल ने यह भी कहा कि ष्वह दिन दूर नहीं जब प्रधानमंत्री उपराज्यपालों और राज्यपालों के माध्यम से 33 राज्यों को चलाएंगेष।केंद्र ने 19 मई को दिल्ली में ग्रुप–ए के अधिकारियों के तबादले और पदस्थापना पर एक प्राधिकरण बनाने के लिए अध्यादेश जारी किया था, जिसे 'आप' नीत सरकार ने सेवाओं पर नियंत्रण से जुड़े उच्चतम न्यायालय के फैसले के साथ धोखा करार दिया था। शीर्ष अदालत के 11 मई के फैसले से पहले दिल्ली सरकार में सभी अधिकारियों के स्थानांतरण और पदस्थापना के मामले उपराज्यपाल के कार्यकारी नियंत्रण में थे। अध्यादेश के बाद, केजरीवाल गैर–भाजपा दलों के नेताओं से लगातार संपर्क कर इसके खिलाफ समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि संसद में इससे संबंधित विधेयक पारित न हो पाए।

ईडी ने उद्योगपति सुजीत पाटकर के खिलाफ धनशोधन के मामले में मुंबई में छापेमारी की

एजेंसी

मुंबई। कोविड–19 अस्पताल प्रबंधन के ठेकों के संबंध में बीएमसी के कुछ अधिकारियों और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी संजीव जायसवाल सहित अन्य लोगों के परिसरों पर ये छापेमारी की जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उद्योगपति सुजीत पाटकर के खिलाफ धन शोधन के एक मामले में बुधवार को मुंबई में 15 स्थानों पर छापेमारी की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि पाटकर और उसके तीन सहयोगियों ने महामारी के दौरान कोविड–19 क्षेत्र अस्पतालों के प्रबंधन के लिए बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के ठेके कथित रूप से फर्जी तरीके से हासिल किए थे। उन्होंने कहा कि कोविड–19 अस्पताल प्रबंधन के ठेकों के संबंध में बीएमसी के कुछ अधिकारियों और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी संजीव जायसवाल सहित अन्य लोगों के परिसरों पर ये छापेमारी की जा रही है।यहां आजाद मैदान थाने में लाइफलाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विसेज कंपनी, पाटकर और उसके तीन सहयोगियों के खिलाफ पिछले साल अगस्त में जालसाजी का मामला दर्ज किया गया था।

यूएन वीजीट के दौरान मोदी ने प्रोफेसर नसीम निकोलस तालेब और रॉबर्ट थुरमन से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। वहीं प्रोफेसर पॉल रोमर ने पीएम से मुलाकात के बाद कहा कि ये मुलाकात शानदार रही। हमने शहरी विकास के महत्व के बारे में गहन चर्चा की। वह इन मुद्दों को बखूबी समझते हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे बहुत अच्छी तरह व्यक्त किया कि शहरीकरण कोई समस्या नहीं है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों संयुक्त राय्ज अमेरिका की यात्रा पर है। उनके राजकीय दौरे पर वो न्यूयॉर्क में है। उनके न्यूयॉर्क पहुंचने से पहले भारतीय समुदाय के लोग उनका इंतजार करते दिखे और लोगों ने मोदी के स्वागत में जमकर गरबा भी किया। एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उतरने के बाद वो न्यूयॉर्क पैलेस पहुंचे। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारतीय समुदाय के लोगों द्वारा जोरदार स्वागत हुआ। इसका बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टि्वटर के बॉस एलन मस्क, लेखन रॉबर्ट थुरमैन समेत कई दिग्गजों के साथ भेंट की। इन सभी की तस्वीरें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने टि्वटर अकाउंट पर शेयर की है। जानकारी के मुताबिक न्यूयॉर्क में पीएम नरेंद्र मोदी के साथ टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलोन मस्क, लेखक और अकादमिक संचारक नील डेग्रसे टायसन से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने कई बड़े उद्योगपतियों, शिक्षाविदों और थिंक टैंक के समूहों के सदस्यों के साथ भी बैठक की है।बता दें कि पीएम मोदी के साथ हुई मुलाकात

प्रोफेसर रॉबर्ट थुरमन, निबंधकार और सांख्यिकीविद प्रोफेसर नसीम निकोलस तालेब, प्रोफेसर पॉल रोमर, अमेरिकी निवेशक रे डेलियो, अमेरिकी खगोल वैज्ञानिक, लेखक और विज्ञान के बाद निबंधकार प्रोफेसर नसीम निकोलस तालेब ने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। ये मुलाकात बेहद अद्भुत रही। कोरोना वायरस की प्रतिक्रिया पर भारत ने जो किया उसकी प्रशंसा की। भारत ने कठिन समय में इससे बेहद कुशलता से निपटा, खासतौर से भोजन, वितरण आदि के संबंध में शानदार काम किया था।वहीं प्रोफेसर पॉल रोमर ने पीएम से मुलाकात के बाद कहा कि ये मुलाकात शानदार रही। हमने शहरी विकास के महत्व के बारे में गहन चर्चा की। वह इन मुद्दों को बखूबी समझते हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे बहुत अच्छी तरह व्यक्त किया कि शहरीकरण कोई समस्या नहीं है। यही अवसर है। भारत आधार जैसी पहल के साथ प्रमाणीकरण के मोर्चे पर दुनिया को रास्ता दिखा सकता है।पीएम मोदी ने इस दौरान पेन्सिलवेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी की अध्यक्ष नीली बेंदापुडी से भी मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि ये बैठक बेहद अविश्वसनीय थी। पीएम मोदी के साथ बैठना और उनकी दृष्टि को सुनना ये महान लोकतंत्र भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ कैसे काम कर सकते हैं, ये बेहद प्रेरणादायक है।

पत्नी को देनी थी भरण पोषण राशि, पति ने 55 हजार रुपये का सिक्कों में किया भुगतान

जयपुर। 55 हजार रुपये आमतौर पर नोट में ही एकसाथ लोगों ने देखे होंगे, मगर इतने ही राशि के सिक्के अगर देखने को एक साथ मिल जाएं तो आपके मन में क्या आएगा? एक साथ 55 हजार रुपये के सिक्कों से कोई आपको भुगतान कर दे तो आप क्या सोचेंगे? ये कोई मजाक नहीं बल्कि सच है, जो कि राजस्थान में हुआ है।दरअसल राजस्थान के जयपुर में एक स्थानीय अदालत में माहौल काफी परेशानी भरा हो गया क्योंकि यहां एक व्यक्ति अपनी पत्नी को दी जाने वाली 55 हजार रुपये की भरण पोषण राशि को सिक्कों के तौर पर लेकर पहुंचा। पति द्वारा सिक्कों में 55 हजार रुपयों का भुगतान किए जाने पर पत्नी ने अधिवक्ता के जरिए इस पर आपत्ति जताई है।

निर्वाचन आयोग ने असम परिसीमन मसौदा प्रकाशित कियाय लोकसभा, विधानसभा सीटों में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रस्तावों के अनुसार, धेमाजी जिले में एक अनारक्षित विधानसभा सीट होगी। बराक घाटी जिलों– कछार, हैलाकांडी और करीमगंज के लिए दो संसदीय सीट प्रस्तावित की गई हैं। आयोग ने एक संसदीय सीट का नाम काजीरंगा रखने का प्रस्ताव दिया है।निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को असम के लिए परिसीमन मसौदा दस्तावेज जारी करते हुए पूर्वोत्तर राज्य में विधानसभा सीट की संख्या 126 और लोकसभा सीट की संख्या 14 पर बरकरार रखने का प्रस्ताव दिया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने प्रस्ताव दिया है कि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित विधानसभा सीट को आठ से बढ़ाकर नौ और अनुसूचित जनजाति की सीट को 16 से बढ़ाकर 19 किया जाए। निर्वाचन आयोग के परिसीमन मसौदे में अनुसूचित जनजाति के लिए विधानसभा की 19 और दो संसदीय सीट तथा अनुसूचित जाति के लिए विधानसभा की नौ और एक संसदीय सीट आरक्षित करने का प्रस्ताव है। चुनाव निकाय ने प्रस्ताव दिया कि वेस्ट कार्बी आंगलोंग के स्वायत्त जिलों में विधानसभा सीट की संख्या एक और बोडोलैंड स्वायत्त परिषद क्षेत्रों में तीन (16 से 19) तक बढ़ाई जाए।निर्वाचन आयोग ने अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित दीफू और कोकराझार संसदीय सीट को बरकरार रखा है तथा लखीमपुर संसदीय सीट को अनारक्षित रखा है। प्रस्तावों के अनुसार, धेमाजी जिले में एक अनारक्षित विधानसभा सीट होगी। बराक घाटी जिलों– कछार, हैलाकांडी और करीमगंज के लिए दो संसदीय सीट प्रस्तावित की गई हैं। आयोग ने एक संसदीय सीट का नाम काजीरंगा रखने का प्रस्ताव दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे तथा अरुण गोयल जुलाई में मसौदा प्रस्ताव पर जन सुनवाई के लिए असम का दौरा करेंगे।परिसीमन कवायद 2001 की जनगणना के आधार पर की गई। पिछला परिसीमन 1976 में असम में किया गया था।

आयोग ने इस साल 26 मार्च से 28 मार्च तक असम का दौरा किया था और राज्य में परिसीमन कवायद के संबंध में राजनीतिक दलों, जनप्रतिनिधियों, नागरिक संस्थाओं के सदस्यों, सामाजिक संगठनों, जनता के सदस्यों और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, सभी जिलों के उपायुक्तों तथा जिला चुनाव अधिकारियों के साथ बातचीत की।

प्रधानमंत्री योग सत्र का यूएन मुख्यालय में करेंगे नेतृत्व, कई दिग्गज लेंगे हिस्सा

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को यहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर एक ऐतिहासिक समारोह में अनोखे योग सत्र का नेतृत्व करेंगे, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारी, दुनिया भर के राजदूत और गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने हमेशा जोड़ने, अपनाने और अंगीकार करने वाली परंपराओं को पोषित किया है। उन्होंने योग के माध्यम से विरोधाभासों, बाधाओं और प्रतिरोधों को खत्म करने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि भारतीयों ने हमेशा नये विचारों का स्वागत किया है, उन्हें संरक्षण दिया है और देश की समृद्ध विविधता का जश्न मनाया है। उन्होंने कहा, "योग हमारी अंतरदृष्टि को विस्तार देता है। योग हमें उस चेतना से जोड़ता है, जो हमें जीव मात्र की एकता का एहसास कराती है, जो हमें प्राणी मात्र से प्रेम का आधार देती है। इसलिए हमें योग के जरिये हमारे अंतरविरोधों को खत्म करना है, हमें योग के जरिये हमारे गतिरोधों और प्रतिरोधों को भी खत्म करना है। हमें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को विश्व के सामने एक उदाहरण के रूप में पेश करना है।" प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस इस साल खास है क्योंकि आर्कटिक से लेकर अंटार्कटिका तक, भारत के दो अनुसंधान केंद्र भी योग से जुड़ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर मोदी अपनी यात्रा के पहले चरण में न्यूयॉर्क में हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने एक साक्षात्कार में 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि इस वर्ष योग उत्सव एक बहुत ही 'अनोखा अवसर' होगा क्योंकि वह प्रधानमंत्री मोदी थे जिन्होंने यह दृष्टि दी थी और उनके नेतृत्व ने यह सुनिश्चित किया कि हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाए। कंबोज ने कहा, "इसलिए करीब नौ साल बाद, उस नजरिये को पेश करने वाला अवसर संयुक्त राष्ट्र में आया है।" उन्होंने कहा कि अब योग दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा अनिवार्य अवसर है। उन्होंने कहा, "इसलिए दूरदर्शी नेता और संयुक्त राष्ट्र दोनों का एक साथ आना..., मुझे लगता है अपने आप में बहुत अनूठा है" ।उन्होंने कहा कि योग कार्यक्रम को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। कंबोज ने कहा, "अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत उत्साह है। इसे लेकर बहुत दिलचस्पी है। मैं कहूंगी, प्राचीन भारतीय अभ्यास योग सभी सीमाओं को पार कर गया है और यह एक वैश्विक घटनाक्रम बन गया है।" कंबोज ने कहा "तथ्य यह है कि मंच पर योग करने वाले बच्चे बहुत ही अनोखे होंगे। कुल मिलाकर मुझे लगता है कि यह अपनी तरह का एक अनूठा आयोजन होने जा रहा है।" संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने योग दिवस के लिए अपने संदेश में कहा कि योग एकजुट करता है। उन्होंने कहा, "यह शरीर और मन, मानवता और प्रकृति और दुनिया भर में लाखों लोगों को एकजुट करता है, जिनके लिए यह शक्ति, सद्भाव और शांति का स्रोत है।" गुतारेस ने कहा, ''खतरनाक और विभाजित विश्व में, इस प्राचीन व्यायाम के लाभ खासतौर से कीमती हैं। योग शांति को आश्रय देता है, यह चिंता को कम कर सकता है और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है। यह अनुशासन तथा धैर्य विकसित करने में हमारी मदद करता है। यह हमें हमारी धरती से जोड़ता है जिसे हमारे संरक्षण की अदद आवश्यकता है।'' योग सत्र 21 जून को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के विशाल उत्तरी उद्यान में चलेगा, जहां पिछले साल दिसंबर में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता के तहत भारत की ओर से संयुक्त राष्ट्र के लिए उपहार स्वरूप महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित की गई थी।

सम्पादकीय

हर सिगरेट खतरनाक है

विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से जारी ताजा चेतावनी को सामयिक और सही दिशा में कहा जाएगा। संगठन ने कहा है कि ई–सिगरेट का सेवन भी सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी एक प्रमुख चिंता है।

समाज में यह गलत धारणा बनाई गई है कि ई–सिगरेट खतरनाक नहीं है। इस भ्रम के कारण कई लोग सिगरेट छोडने की कोशिश में इसे अपना लेते हैं। उधर नौजवान भी यह सोच कर इसकी लत पाल लेते हैं कि इसमें वह खतरा नहीं है, जो तंबाकू वाली सिगरेट में होता है। इसलिए इस सिलसिले में विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से जारी ताजा चेतावनी को सामयिक और सही दिशा में कहा जाएगा। संगठन ने कहा है कि ई–सिगरेट का सेवन भी सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी एक प्रमुख चिंता है। डब्लूएचो के मुताबिक भारत में 15 से 30 साल की उम्र के करीब 61 फीसदी ऐसे युवा हैं, जिन्होंने ई–सिगरेट का इस्तेमाल नहीं किया है। लेकिन भविष्य में इसकी चपेट में आ सकते हैं। देश और विदेश में हुए एक अध्ययन ई–सिगरेट संबंधी खतरों पर रोशनी पड़ी है। डब्लूएचओ के अनुसार मस्तिष्क के विकास पर निकोटीन के प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों और उपकरणों में मौजूद अन्य रसायनों से संभावित खतरों के कारण नौजवान ई–सिगरेट की तरफ खिंच रहे हैं। यह अब एक प्रमुख चिंता बन गया है। खास कर भारत में देखा गया है कि युवा ई–सिगरेट के खतरों से लापरवाह होते जा रहे हैं।

स्पष्ट है, इन खतरों के बारे में जागरूकता लाने के लिए बड़े पैमाने पर मुहिम चलाने की जरूरत है। अध्ययन से सामने आया कि भारत में 51 प्रतिशत लोग, जिन्होंने पहले कभी ई–सिगरेट का इस्तेमाल नहीं किया है, वे इसके भविष्य में इस्तेमाल को लेकर उत्सुक हैं। 47 प्रतिशत भारतीयों ने ई–सिगरेट का विज्ञापन देखा है। अध्ययन में शामिल अधिकांश भारतीय पढ़े–लिखे और अमीर परिवारों से थे। इसलिए शोधकर्ताओं ने ई–सिगरेट के विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। भारत दनिया में तंबाकू के सबसे बड़े बाजारों में एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक लगभग 27 प्रतिशत भारतीय आबादी किसी न किसी रूप में तंबाकू का इस्तेमाल करती है। इन लोगों की इस लत को छुड़ाना एक बड़ी चुनौती है। लेकिन इस लत को छोडने को कोशिश में लोग दूसरी खतरनाक लत अपना लें, तो बात जस की तस रहेगी। इसलिए असल चुनौती हर प्रकार के सिगरेट के खतरों से समाज को अवगत कराने की है।

अन्न ही प्राण है

अजय दीक्षित

सीमित भौगोलिक क्षेत्र और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को आने वाले समय के लिये अनाज के एक–एक दाने की रक्षा करनी होगी। वह भी ऐसे में जब किसान का खेती से मोहभंग हो रहा है। वहीं दूसरी ओर जब विकास कार्यों तथा आवासीय कारोबारी निर्माण के लिये बड़े पैमाने पर कृषि भूमि का उपयोग हो रहा है, भंडारण क्षमता बढ़ाना जरूरी हो जाता है। रूस – यूक्रेन युद्ध से बाधित हुई खाद्यात्र आपूर्ति श्रृंखला के चलते दुनिया के तमाम देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहे हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते मौसम के मिजाज में आये अप्रत्याशित बदलाव से अनाज की गुणवत्ता और मात्रा पर असर होने लगा है। किसी संप्रभु राष्ट्र के लिये खाद्यान्न की आत्मनिर्भरता अपरिहार्य ही है। ऐसे में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा बुधवार को लिये गये उस फैसले की सराहना की जानी चाहिए, जिसमें सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना को मंजूरी दी गई है। जिसके अंतर्गत अन्नदाता के उत्पादों को बचाने के लिये ब्लॉक स्तर पर पांच सौ से दो हजार मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम बनाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही योजना के क्रियान्वयन के लिये अंतर मंत्रालयी समिति के गठन को भी हरी झंडी मिली है। निश्चय ही यह देर से उठाया गया दुरुस्त कदम है। निश्चय ही देश में मौजूदा 1450 लाख टन की भंडारण क्षमता को पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। यही वजह है कि अगले पांच सालों में 700 लाख टन भंडारण क्षमता और बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। भारत दुनिया के सर्वाधिक अन्न उत्पादक देशों में गिना जाता है, लेकिन उसकी भंडारण क्षमता अन्य विकसित देशों के मुकाबले बेहद कम रही है।। जिससे किसान को फसल तैयार होने के तुरंत बाद मंडियों में अनाज बेचने जाना पड़ता है। भण्डारण क्षमता न होने के कारण किसान को औने–पौने दामों में अपने उत्पाद बेचने पड़ते हैं। यही वजह है कि भरपूर फसल उत्पादन के बावजूद उसे घाटा उठाना पड़ता है क्योंकिआपूर्ति बढने से उत्पादों के दाम गिर जाते हैं। वैसे शुरुआत में सहकारिता मंत्रालय देश के केंद्र शासित प्रदेशों व राज्यों के दस जिलों में इसकी पायलट योजना शुरू करेगा। जिससे हासिल अनुभव का लाभ शेप देश को दिया जा सकेगा, साथ ही योजना की खामियों को दूर किया जा सकेगा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में एक अंतर मंत्रालयी समिति योजना के क्रियान्वयन की देखरेख करेगी। निश्चित रूप से इस योजना के क्रियान्वयन से हर साल बर्बाद होने वाला लाखों टन अनाज बचाया जा सकेगा। वह अनाज भी, जो आंधी तूफान व बारिश में मंडियों में बर्बाद होता रहा है। यदि किसान अनाज को गोदामों में रोकने की स्थिति में होगा तो वह बाजार की जरूरत के हिसाब से ऊंचे दामों में अपने उत्पाद बेच सकेगा। इतना ही नहीं, किसान गोदाम में रखे उत्पाद के मूल्य के सत्तर फीसदी के बराबर कर्ज लेकर अगली फसल की तैयारी भी कर सकेगा। विडंबना ही है कि इस लाभकारी योजना को नीति–नियंताओं की अदूरदर्शिता के चलते आजादी के सात दशक बाद क्रियान्वित किया जा रहा है। जरूरी है कि देश की अन्न भंडारण क्षमता उत्पादन से अधिक होनी चाहिए। कोरोना काल के सबक हमें याद रखने चाहिए कि इसके बाद के वर्षों में लगातार अस्सी करोड़ ? लोगों को मुफ्त अनाज तभी दिया जा सका क्योंकि हमारे देश में अनाज का पर्याप्त बफर स्टॉक था। ऐसी महामारियां भविष्य में आ सकती हैं, जिससे मुकाबले के लिये पर्याप्त अनाज भंडारण अनिवार्य है। निश्चित रूप से अब तक कुल उत्पादन की 47 फीसदी भंडारण क्षमता में इस योजना से पर्याप्त वृद्धि की जा सकेगी।

कठघरे में रिजर्व बैंक

बेहतर होता अपने स्पष्टीकरण में इस पहलू पर तथ्यात्मक सूचना आरबीआई देता। लेकिन सरल भाषा में लोगों से कहा गया है कि वे सार्वजनिक चर्चाओं पर नहीं, बल्कि उसकी बात पर यकीन करें।

हाल में आई दो खबरों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को संदेह के कठघरे में खड़ा कर दिया है। एक खबर यह है कि आरबीआई ने बैंकों को उन डिफॉल्टरों से समझौता कर मामला निपटाने का अधिकार दे दिया है, जिन्होंने जानबूझ कर ऋण नहीं चुकाया। इनमें ऐसे भी कई मामले होंगे, जिनमें कर्ज लेने वाली रसूखदार शख्सियत ने उसे ना लौटने के इरादे से ही ऋण लिया होगा। अब बैंक ऐसे कर्जदारों का मामला उनसे बातचीत से निपटा सकेंगे। जाहिर है, उन लोगों पर बकाया दिखने वाली के रकम को माफ भी किया जा सकेगा। एक मीडिया रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि इस फैसले का परिणाम निकट भविष्य तीन लाख 46 हजार करोड़ रुपए की माफी के रूप में आ सकता है। क्या यह सीधे तौर पर बैंक धोखाधड़ी और वित्तीय अपराध को बढ़ावा देना नहीं होगा? यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि किसी ऐसी व्यवस्था में, जहां कानून का राज सर्वोपरि हो, ऐसे फैसले लिए जा सकते हैं।इसी तरह यह चौंकाने वाली खबर आई कि रिजर्व बैंक ने 500 रुपये के नोटों को जो छपाई करवाई थी, उनमें से 88 हजार करोड़ रुपये मूल्य के नोट गायब हैं।

जयराम रमेश शायद जानते नहीं कि गीता प्रेस और गांधीजी का पुराना नाता रहा है

ललित गर्ग

गीता प्रेस के सौ वर्षों का स्वर्णिम दौर एवं संस्कृति–निर्माण के कार्य कोई कांच का नाजुक घर नहीं है कि आलोचना की बौछार से किरचें–किरचें होकर बिखर जाये। उसने जो संस्कार निर्माण एवं संस्कृति जागरण के सत्य को उजागर किया, वह शताब्दी पहले जितना सत्य था, आज भी उतना ही सत्य है।आजादी के अमृतकाल में स्व–संस्कृति, स्व–पहचान एवं स्व–धरातल को सुदृढ़ता देने के अनेक अनूठे उपक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार में हो रहे हैं, उन्हीं में एक है भारत सरकार द्वारा एक करोड़ रुपए का गांधी शांति पुरस्कार सौ साल से सनातन संस्कृति की संवाहक रही गीता प्रेस, गोरखपुर देने की घोषणा। 1800 पुस्तकों की अब तक 92 करोड़ से अधिक प्रतियां प्रकाशित करने वाले गीता प्रेस को इस पुरस्कार के लिये चुना जाना एक सराहनीय एवं सूझबूझभरा उपक्रम है। यह सम्मान मानवता के सामूहिक उत्थान, धर्म–संस्कृति के प्रचार–प्रसार, अहिंसक और अन्य गांधीवादी तरीकों से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। लेकिन विडम्बना है कि ऐसे मानवतावादी उपक्रमों को भी राजनीतिक रंग दे दिया जाता है। हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देने से राजनीतिक दलों और नेताओं को कितना फायदा या नुकसान होता है यह अलग बात है लेकिन सही बात तो यह है कि ऐसे विवादों का खमियाजा देश को जरूर उठाना पड़ता है।

ऐसा ही ताजा विवादित बयान कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस पुरस्कार को लेकर दिया है। रमेश ने कहा कि गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार देना गोडसे और सावरकर को सम्मान देने जैसा है। निश्चित ही यह तो उजालों पर कालिख पोतने के प्रयास है। ऐसे प्रयास अंधेरे सायों से प्यार करने वाले लोग ही कर सकते हैं। ऐसे लोगों की आंखों में किरणें आंज दी जायें तो भी वे यथार्थ को नहीं दे सकते। ऐसे राजनीतिक लोग आकाश में पैबंद लगाना चाहते हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर राजनीतिक सागर की यात्रा करना चाहते हैं। क्योंकि सब जानते हैं कि गीता प्रेस प्रतिदिन सत्तर हजार प्रतियां प्रकाशित कर घर–घर में धर्म–संस्कृति–राष्ट्रीयता का दीप जला रहा है। अपनी किताबों के माध्यम से समाज में संस्कार परोसने व चरित्र निर्माण का काम भी यह संस्था कर रही है। गीता प्रेस के कामकाज को लेकर आज तक कोई विवाद भी पैदा नहीं हुआ। ऐसी संस्था को लेकर जब यह बयान आता है तो यह भी सवाल उठता है कि क्या जयराम रमेश के इस बयान का कांग्रेस पार्टी समर्थन करती है? यह सवाल इसलिए भी क्योंकि जयराम रमेश कांग्रेस के जिम्मेदार नेता हैं और केन्द्र में मंत्री भी रह चुके हैं।

इस तरह के उद्देश्यहीन, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक बयान सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय एकता को कमजोर तो करते ही हैं, धर्म, आस्था और संस्कारों को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं को हतोत्साहित भी करते हैं। वैसे भी हर धर्म व उससे जुड़ी संस्थाओं को अपने कामकाज के प्रचार–प्रसार का पूरा हक है। गीता प्रेस के बारे में देश के तमाम बड़े नेताओं और धर्मगुरुओं की राय सकारात्मक ही रही है। संस्था ने सकारात्मकता की एक ओर मिसाल पेश करते हुए किसी प्रकार का दान स्वीकार न करने के अपने सिद्धांत के तहत एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि लेने से इंकार कर दिया है। साथ ही सरकार से अनुरोध किया है कि वह इस राशि को कहीं और खर्च करे। गांव जलाने वाला और जलती आग से बचाने वाला– दोनों एक कैसे हो सकते हैं? गीता प्रेस पर दोषारोपण करने वाले एवं उसकी जिस तरह से अतिश्योक्तिपूर्ण तुलना की गयी है, वह आलोचक ही उच्छृंखलता एवं बुद्धिहीनता को दर्शाता है। गांव जलाने वाले और जलती आग से बचाने वाले को कोई मन्दबुद्धि व्यक्ति भी एक नहीं मान सकता। फिर गीता प्रेस जैसे सांस्कृतिक एवं धार्मिक अभियान के साथ इस विसंगतिपूर्ण आलोचना की बात सोचना ही विध्वंसात्मक सोच है। इस तरह की आलोचना राजनीतिक आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के साथ बुद्धि का दिवालियापन है। हर मामले को राजनीतिक रंग में डुबोने की ताक में रहना राजनेताओं की फितरत–सी बनती जा रही है। लोकतंत्रीय पद्धति में किसी भी विचार, कार्य, निर्णय और जीवनशैली की आलोचना पर प्रतिबंध नहीं है। किन्तु आलोचक का यह कर्तव्य है कि वह पूर्व पक्ष को सही रूप में समझकर

ही उसे अपनी आलोचना की छेनी से तराशे। किसी भी तथ्य को गलत रूप में प्रस्तुत कर उसकी आक्षेपात्मक आलोचना करना उचित नहीं है। जिन दलों, लोगों एवं विचारधाराओं का उद्देश्य ही निन्दा करने का हो, उनकी समझ सही कैसे हो? जिसका काम ही किसी अच्छे काम या मन्तव्य को जलील करने का हो, वह सत्य का आईना लेकर क्यों चलेगा?

गीता प्रेस के सौ वर्षों का स्वर्णिम दौर एवं संस्कृति–निर्माण के कार्य कोई कांच का नाजुक घर नहीं है कि आलोचना की बौछार से किरचें–किरचें होकर बिखर जाये। उसने जो संस्कार निर्माण एवं संस्कृति जागरण के सत्य को उजागर किया, वह शताब्दी पहले जितना सत्य था, आज भी उतना ही सत्य है। बल्कि नई परिस्थितियों के साथ उसकी उपयोगिता एवं प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गयी है। उसकी दूरगामी निगाहों ने अपने युग के पार देखकर जिस सत्य को पकड़ा था, दुस्साहसी कालचक्र उसे किसी भी कोने से खण्डित नहीं कर पाया। उसने तो देश के घर–घर में धर्म की पताका लहराई है, सतातन सत्यों की एक ठोस जमीन दी है, काश! समग्र दृष्टि से विचार करते हुए तथाकथित राजनीतिक लोग इस सिलसिले का सम्मान कर पाते। राजनेताओं को राजनीतिक दलों की कार्यशैली या उनके कार्यक्रमों को लेकर आपत्ति हो सकती है, पर किसी भी निर्विवाद संस्था को बेवजह विवादों में घसीटना अशोभनीय ही कहा जाएगा। यह सही है कि आज के दौर में राजनीतिक दलों व नेताओं की रणनीति वोट बैंक की चिंता और सुर्खियां बटोरने की आतुरता के इर्द–गिर्द घूमती है। लेकिन राजनेताओं से यह तो अपेक्षा की जाती है कि वे बयान सोच–समझकर दें। बयान देकर फिर वापस ले लेने से भी जो नुकसान होता है उसकी भरपाई आसान नहीं होती। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे अपने नेताओं के लिये बयानों में संयम बरतने की आचार–संहिता लागू करें।

गीता प्रेस की पत्रिका है कल्याण। कल्याण की लोकप्रियता का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि अब तक इस पत्रिका के कई विशेषांकों (पहले अंक) के पाठकों की मांग पर अनेक संस्करण प्रकाशित करने पड़े। चाहे जैसी स्थितियां आईं, कल्याण अपने लक्ष्य, संकल्प व दायित्वबोध के प्रति पूरी तरह सजग रही। भारत बंटवारे का विरोध किया तो जरूरत पड़ने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का भी मार्गदर्शन किया। भाईजी हनुमान प्रसाद पोद्दार द्वारा कल्याण के रूप में रोपा गया पौधा आज वटवृक्ष बन चुका है। लोगों का धर्म–संस्कृति के क्षेत्र में मार्गदर्शन कर रहा है। भाईजी व गांधीजी के बीच प्रेमपूर्ण संबंध थे। 'कल्याण' का पहला अंक 1926 में प्रकाशित हुआ था, इसमें गांधीजी का लेख भी छपा था। भाईजी यह अंक गांधीजी को भेंट करने गए थे। उन्होंने न सिर्फ कल्याण की प्रशंसा की, बल्कि यह आग्रह भी किया था कि कल्याण या गीता प्रेस से प्रकाशित होने वाली किसी पुस्तक में बाहरी विज्ञापन न प्रकाशित किया जाए, इससे कल्याण व पुस्तकों की शुचिता बनी रहेगी। इसका पालन आज भी गीता प्रेस करता है। कल्याण के विभिन्न अंकों में गांधीजी के लेख छपते रहे। आज भी गांधीजी द्वारा लिखा गया पत्र गीता प्रेस में सुरक्षित रखा गया है। गांधीजी के जीवन पर इस पत्रिका का अनूठा प्रभाव रहा है और उन्हीं के नाम पर दिये जाने वाले पुरस्कार के लिये गीता प्रेस से अधिक उपयुक्त पात्र कोई और हो नहीं सकता, यह बात जयराम रमेश को भलीभांति समझ लेनी चाहिए। सस्ती राजनीतिक वाह–वाही के लिये ऐसे बयानों से जयराम रमेश ने अपनी ही पार्टी एवं उसकी ऐतिहासिक विरासत को आहत किया है।

मॉनसून, अल नीनो और खेती का संकट

अजीत द्विवेदी

देश में मौसम का मिजाज बिगड़ा है। पश्चिम के दो बड़े राज्यों गुजरात और राजस्थान में चक्रवाती तूफान बिपरजॉय से तबाही मची है। इस तूफान के असर से राजधानी दिल्ली में भी बारिश हुई है और हरियाणा में भी असर दिखा है। तूफान के गुजरात में जकाऊ बंदरगाह से टकराने से पहले महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भी भारी बारिश हुई लेकिन उसके बाद वहां का मौसम सामान्य हो गया। दूसरी ओर देश के पूर्वी हिस्से में खास कर पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में भीषण गर्मी पड़ रही है। लू चलने की वजह से बिहार और उत्तर प्रदेश में एक सौ के करीब लोगों की मौत हो गई है और सैकड़ों लोग अस्पताल में भर्ती हुए। तीसरी परिघटना यह है कि पूर्वोत्तर में भारी बारिश हो रही है, जिससे असम से लेकर सिक्किम तक में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं। देश के अलग अलग हिस्सों में मौसम का ऐसा अतिरेक क्यों देखने को मिल रहा है, यह समझना मुश्किल काम नहीं है। जलवायु परिवर्तन की वजह से इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। इस बीच यह खबर आई है कि धरती का तापमान औद्योगिक युग से पहले के औसत से डेढ़ डिग्री ऊपर पहुंच गया है। यह एक मानक तय किया गया था और जलवायु परिवर्तन पर काम करने वाले वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी थी कि धरती का तापमान डेढ़ डिग्री के थ्रेसहोल्ड से ऊपर जाएगा तो धरती के बाशिंदों का जीवन मुश्किल होगा। वह मुश्किल शुरू हो गई है।

भारत में यह मुश्किल इस साल कुछ ज्यादा महसूस होने वाली है क्योंकि मॉनसून के आगमन की खबर के साथ ही यह भी खबर आई है कि यह साल अल नीनो का है। अल नीनो का दुनिया पर जो भी असर हो लेकिन भारत के लिए यह बहुत खराब होता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 65 साल में 14 बार अल नीनो का प्रभाव हुआ है, जिसमें नौ साल भारत में भयंकर सूखा पड़ा है। बाकी पांच मौकों पर भी कम बारिश हुई है। सो, अल नीनो का भारत के लिए मतलब सूखा होता है। अल नीनो को सरल शब्दों में समझें तो कह सकते हैं कि प्रशांत महासागर में जब समुद्र की सतह का तापमान बढ़ता है तो अल नीनो के हालात बनते हैं। इस साल जिस तरह मार्च–अप्रैल से गर्मी पडनी शुरू हुई, उससे अल नीनो के आसार बन रहे थे। लेकिन इसकी पुष्टि जून के पहले हफ्ते में हुई।

आमतौर पर भारत में दक्षिण पश्चिम मॉनसून एक जून तक आ जाता है। लेकिन इस बार एक हफ्ते से ज्यादा की देरी के साथ आठ जून को मॉनसून केरल के तट पर पहुंचा। असल में अरब सागर के ऊपर एक साइक्लोनिक सरकुलर बन गया था, जिसकी वजह से मॉनसून आगे नहीं बढ़ पा रहा था। आठ जून को केरल पहुंचने के बाद भी वह सामान्य गति से आगे नहीं बढ़ा। इसकी वजह से पूर्वी भारत के राज्यों में मॉनसून की बारिश का इंतजार लंबा हो गया और करोड़ों लोग भीषण गरमी की मार झेलने को मजबूर हुए। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून का तीसरा हफ्ता शुरू होने तक दक्षिण पश्चिम मॉनसून से जितनी बारिश होनी चाहिए थी उससे 37.2 फीसदी कम बारिश हुई है। इसका साफ मतलब है कि अल नीनो का असर दिखना शुरू हो गया है। देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो रही है।

मॉनसून की बारिश कम होने का दो असर भारत के ऊपर होता है। पहला तो खेती प्रभावित होती है क्योंकि भारत में मोटे तौर पर खेती दक्षिण पश्चिम मॉनसून पर निर्भर है। देश में 50 फीसदी खेती मॉनसून की बारिश से होती है। कम बारिश होने का सीधा असर खरीफ की पैदावार पर होता है। खरीफ में भी धान सबसे मुख्य फसल है, जिसकी खेती में बहुत ज्यादा पानी की जरूरत होती है। इसके लिए या तो मॉनसून की बारिश पर निर्भरता है या भूजल के पानी पर। भारत में खेती के लिए जमीन के अंदर से इतना पानी खींचा गया है कि कई राज्यों में जमीन बंजर होती जा रही है। भारत में कम पानी के जरिए धान की खेती को नहीं अपनाया गया है। वह एक अलग बहस का विषय है। लेकिन देर से बारिश होने और कम बारिश होने का असर धान की खेती पर होगा। सरकार को इसका अंदाजा है तभी चावल के भंडारण को लेकर नए नियमों की घोषणा की गई है। सरकार को अंदाजा है कि इस साल धान की पैदावार कम हो सकती है। ध्यान रहे भारत की जीडीपी में भले कृषि का हिस्सा 20 फीसदी का है, लेकिन कृषि पर निर्भर आबादी 60 फीसदी के करीब है। इसलिए खेती प्रभावित होने का असर ज्यादा बड़ी आबादी पर होता है। इससे खाने पीने की चीजों की महंगाई भी बढ़ती है, जिसका असर परोक्ष रूप से ही सही लेकिन नौकरीपेशा मध्य वर्ग भी महसूस करता है। मॉनसून की बारिश कम होने का दूसरा असर पीने के पानी पर महसूस होता है। देश के कई हिस्सों में अभी से सूखे के हालात बन गए हैं। तालाब और नदियां सूख गए हैं। उनका जलस्तर बहुत नीचे चला गया है। पेयजल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बुंदेलखंड इलाके से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक जैसे कई राज्यों में पानी की कमी होने लगी है। जल संरक्षण के कई उपायों का प्रचार होने के बावजूद भारत में पीने से लेकर रोमजर्रा के कामकाज तक के लिए पानी की जरूरत मॉनसून में हुई बारिश के पानी से ही पूरी हो पाती है। अगर मॉनसून की बारिश कम होती है तो गांवों और छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक में पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। अल नीनो की पुष्टि, मॉनसून की देरी और मॉनसून के धीमी रफ्तार से आगे बढने के बावजूद कुछ कारणों से भारत की उम्मीद कायम है। एक कारण तो यह है कि हिमालय के क्षेत्र में अच्छी बर्फबारी हुई है। सो, अगर प्रशांत महासागर की ओर से आने वाली हवा मॉनसून को रोकेगी तो हिंद महासागर से आने वाली हवा इसको आगे बढने में मदद कर सकती है। उम्मीद का दूसरा कारण यह है कि भारत में 75 फीसदी बारिश जुलाई से अक्टूबर के बीच होती है। सो, अगर जून में मॉनसून की रफ्तार कुछ कम रहती है या कम बारिश होती है तो उसकी भरपाई जुलाई और उसके बाद के महीनों में हो सकती है।

माँ, माटी और मानुष को तृणमूल कांग्रेस ने बदहाल स्थिति में पहुँचा दिया है

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बात तो लोकतंत्र की करती हैं लेकिन उनके अपने राज्य में लोकतंत्र का हाल यह है कि सैंकड़ों की संख्या में विपक्षी दलों के उम्मीदवारों ने पंचायत चुनावों से अपने नाम वापस ले लिये हैं।देश के तमाम राज्यों में निर्धारित समय पर विधानसभा, नगर निगम और पंचायत के चुनाव होते रहते हैं। लगभग सभी चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से होते हैं। लेकिन बात जब पश्चिम बंगाल में किसी चुनाव की आती है तो चुनाव से पहले जो हिंसा शुरू होती है वह चुनाव खत्म होने के बाद भी जारी रहती है। सवाल उठता है कि राजनीतिक हिंसा की संस्कृति से आखिर बंगाल को कब मुक्ति मिलेगी? देखा जाये तो वामपंथियों के राज में हिंसा का जो तांडव देखने को मिलता था वह आज भी बरकरार है। बंगाल में सिर्फ सत्ताधारी पार्टी बदली है, राज करने का तरीका वही पुराना वामपंथियों वाला ही चल रहा है। खास बात यह है कि वामपंथियों के जिस आतंक से बंगाल को छुटकारा दिलाने के वादे के साथ ममता बनर्जी सत्ता में आईं उस आतंक को उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने बरकरार रखा है। बल्कि कई मायनों में यह आतंक बढ़ा ही है। पश्चिम बंगाल में हिंसा, कट मनी, अराजकता, भ्रष्टाचार और परिवारवाद आदि की वजह से जनता को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस सबके बीच, इन दिनों राज्य में पंचायत चुनावों की प्रक्रिया चल रही है। इस दौरान हिंसा का जो तांडव यहां देखने को मिल रहा है उससे सवाल उठता है कि क्या राज्य में सरकार नाम की कोई चीज है भी या नहीं?

हम आपको याद दिला दें कि पश्चिम बंगाल में वर्ष 2018 में हुए पंचायत चुनावों में सरकारी आंकड़ों के अनुसार 20 से अधिक लोग मारे गए थे और सैंकड़ों घायल हुए थे। इस बार भी आठ जुलाई को प्रस्तावित पंचायत चुनावों की पृष्ठभूमि में हुए संघर्षों में कई लोगों के मारे जाने की सूचना मिली है, जिनमें से कुछ लोग नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन 15 जून को मारे गये, जिसके कारण कलकत्ता उच्च न्यायालय ने राज्य भर में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया था। लेकिन राज्य सरकार इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुँच गयी जहां उसे मुँह की खानी पड़ी। सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार की याचिका खारिज करने के साथ ही उससे साफ–साफ कह दिया कि चुनाव कराना 'हिंसा का लाइसेंस' नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ''अगर लोग जाकर अपना नामांकन पत्र दाखिल नहीं कर पा रहे हैं या जिन लोगों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है, उन्हें अंततरू खत्म कर दिया गया है या समूह संघर्ष हो रहे हैं, तो फिर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कहां रहा।''

देखा जाये तो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बात तो लोकतंत्र की करती हैं लेकिन उनके अपने राज्य में लोकतंत्र का हाल यह है कि सैंकड़ों की संख्या में विपक्षी दलों के उम्मीदवारों ने पंचायत चुनावों से अपने नाम वापस ले लिये हैं क्योंकि नामांकन दाखिल करने के बाद से उन्हें धमकी मिल रही थी। पिछले पंचायत चुनावों में भी कमोबेश ऐसे ही हाल थे जब उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने के लिए पहुँचने ही नहीं दिया जा रहा था। तब व्हाट्सएप के जरिये नामांकन दाखिल करने की भी सुविधा दी गयी थी। इस सबके बीच ममता बनर्जी पटना में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में भाग लेने जा रही हैं जहां वह श्लोकतंत्र को बचानेश और श्मोदी को हटानेश का अभियान चलाने के लिए एकत्रित हो रहे भाजपा विरोधी दलों की बैठक में बड़ी–बड़ी बातें भी करेंगी। हो सकता है कि इस बैठक में ममता बनर्जी प्रधानमंत्री पद की अपनी उम्मीदवारी की बात को भी आगे बढ़ाएं। लेकिन ऐसे नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि अपने लिए बड़ी भूमिका की तलाश करने से पहले उन्हें यह बताना चाहिए कि क्या वर्तमान की भूमिका के साथ वह न्याय कर पा रहे हैं या नहीं?बहरहाल, चुनाव को लोकतंत्र का उत्सव माना गया है लेकिन आज के बंगाल का सच यह है कि कोई भी चुनाव आने पर जनता के मन में अपनी सुरक्षा को लेकर डर बैठ जाता है।

पश्चिम बंगाल में मां, माटी और मानुष के नाम पर सत्ता में आई तृणमूल कांग्रेस को देखना चाहिए कि कैसे चुनावी हिंसा में अपनों के मारे जाने पर माएं रो रही हैं, हिंसा के चलते बंगाल की माटी बदनाम हो रही है और आम मानुष के जीवन का कोई मोल नहीं रह गया है।

विपक्ष पाषाण युग में!

हरिशंकर व्यास

अच्छा जुमला है। सोचें, नरेंद्र मोदी का अमेरिका में डंका बज रहा होगा तब नीतीश कुमार पटना में विपक्षी नेताओं को जात की राजनीति के कैसे मंत्र दे रहे होंगे? तेजस्वी, अखिलेश, ममता बनर्जी, हेमंत सोरेन क्या यह हिसाब लगाते हुए नहीं होंगे कि मैं तो अपने इलाके में मजे से जीतूंगा। तो अरविंद केजरीवाल एक राजा की कहानी सुनाते हुए होंगे। किसी को भी ख्याल नहीं होगा कि भाजपा उधर मशीनी दिमाग से सबकी कैसी–कैसी कहानियों की स्क्रिप्ट बना रही होगी। कैसे–कैसे आइडिया पर काम हो रहे होंगे?इसलिए संयोग संभव है कि एक तरफ अमेरिका में विश्व विजेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डुगडुगी शुरू हो तो भारत में ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, स्टालिन, नीतीश कुमार, भूपेश बघेल, अशोक गहलोत, वैभव गहलोत, भूपिंदर सिंह हुड्डा, केसीआर परिवार आदि के यहा एजेंसियों की छापेमारी शुरू हो जाए। मोटा मोटी अमेरिका यात्रा से ले कर राम मंदिर कार्यक्रम तक का प्रधानमंत्री मोदी का कैलेंडर इस तरह भरा हुआ है, जिससे उनका नगाड़ा बजता हुआ और विपक्ष छापों से अधमरा होता हुआ।ऐसा विजुअलाइजेशन नीतीश कुमार की बैठक में नहीं होना है। विपक्षी बैठकों में यह रणनीति नहीं बननी है कि छापेमारी–गिरफ्तारी केजरीवाल की हो या अभिषेक बनर्जी की विपक्ष का जवाबी हमला साझा होना चाहिए। और इसके लिए हमारा हल्ला बोल हमारे अपने मंचों से हो।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से होगी घुटने की ट्रांसप्लांट सर्जरी

डॉक्टर्स को मिलेगी एआई की मदद से रियल टाइम इमेजिंग और डेटा एनालिसिस की सुविधा

अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से होगा घुटने का प्रत्यारोपण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भी अब घुटने की प्रत्यारोपण सर्जरी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से होगी। अभी तक एआई द्वारा सर्जरी की सुविधा विदेशों में और देश के कुछ बड़े शहरों में ही उपलब्ध थी। लेकिन अब यह सुविधा लखनऊ के अपोलो मेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भी उपलब्ध है। एआई सर्जरी के लिए एक आशाजनक नई तकनीक है जिसमें घुटने के प्रत्यारोपण सर्जरी के बाद के परिणामों में बेहद सकारात्मक सुधार लाने की क्षमता है। अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करने वाले अत्याधुनिक रोबोट को पेश करके आर्थोपेडिक सर्जरी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

इस एआई आधारित रोबोट को विशेष रूप से घुटना बदलने की सर्जरी करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह क्रांतिकारी तकनीक है, जो फिलहाल दुनिया भर में बड़ी सीमित संख्या में इस्तेमाल की जा रही है। खास बात यह है कि इस तकनीक का प्रयोग अभी संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम जैसे विकसित देशों में किया जा रहा है। यह तकनीक अब पहली बार लखनऊ और आसपास के इलाकों के मरीजों के लिए अपोलोमैडिक्स अस्पताल में प्रयोग की जा रही है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से अपोलोमेडिक्स अस्पताल एडवांस और अल्ट्रामॉडर्न सर्जरी तकनीक का इस्तेमाल करने वाला करने वाला इलाके का अग्रणी अस्पताल बन गया है। अपोलोमेडिक्स अस्पताल लखनऊ के एमडी और सीईओ डॉ. मयंक सोमानी ने मीडिया को बताया, अपोलोमेडिक्स अस्पताल की स्थापना के समय से ही हम अपने मरीजों को निरंतर सबसे एडवांस्ड और अल्ट्रा मॉडर्न मेडिकल टेक्नोलॉजी की चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं। हम एआई पावर्डरोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी शुरू कर इस क्षेत्र का पहला अस्पताल बनने पर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह अत्याधुनिक तकनीक सर्जरी के समय सर्जन के लिए हड्डी की संरचना की सटीक मैपिंग को सक्षम बनाती है और प्रभावी ढंग से उनका मार्गदर्शन करती है। रोगियों को अद्वितीय और उत्कृष्ट उपचार प्रदान करके, हमने एक बार फिर साबित किया है कि हम इलाज के लिए उच्च मानकों के प्रति समर्पित हैं। यहां की तुलना में यूएस या यूके में इसी सर्जरी की लागत पांच गुना अधिक है और यही सर्जरी भारत के किसी भी मेट्रो शहर में कराई जाए तो यहां की तुलना में 2.5 गुना अधिक लागत आती है। अपोलोमेडिक्स इसी अल्ट्रा मॉडर्न मेडिकल टेक्नोलॉजी से इलाज को काफी किफायती दर पर प्रदान करता है। हमें पूरा यकीन है कि यह तकनीक उत्तर प्रदेश में घुटना बदलने की सर्जरी में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। एआई गाइडेड रोबोटिक ऑर्थोपेडिक सर्जरी सर्विसेज का नेतृत्व अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल्स में ऑर्थोपेडिक्स और ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के चेयरमैन डॉ संजय के श्रीवास्तव करेंगे। डॉ. संजय को पिछले तीन दशकों में 18000 से अधिक आर्थोपेडिक सर्जरी करने का अनुभव है। डॉ. संजय ने कहा, ष्हम अपने रोगियों के इलाज के लिए इस उन्नत तकनीक की पेशकश करने के लिए उत्साहित हैं। एआई–संचालित रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी घुटने की सर्जरी के क्षेत्र में एक बड़ा गेम चेंजर साबित हुआ है और हमें इसमें अग्रणी होने पर गर्व है। एआई पावर्ड रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी एक न्यूनतम चीरा लगाने की प्रक्रिया है, जो सबमिलीमीटर तक की सटीकता के साथ सर्जरी करने में सर्जन की सहायता के लिए एक रोबोटिक आर्म का उपयोग करती है। यह तकनीक सर्जरी के बाद के परिणाम को 3डी मॉडल द्वारा पेश कर देती है, जिससे सर्जन को रोगी की आवश्यकतानुसार योजना बनाने में मदद मिलती है। सर्जरी के बाद घुटने की स्थिति का सही आंकलन मिल जाने से रोगियों को बेहद जरूरी तसल्ली मिल जाती हैं। यह तकनीक सुनिश्चित करती है कि सर्जरी रोगी की शारीरिक रचना के अनुरूप हो, जिससे सटीक सर्जरी हो पाती है, इसके परिणामस्वरूप सर्जरी के पश्चात मरीज तेजी से स्वस्थ होते हैं और सर्जरी के बेहतर परिणाम मिलते हैं। इस तकनीक में एक सर्जन की विशेषज्ञता और एआई तकनीक की सटीकता का संयोजन, सर्जरी को बेहद सुरक्षित और अधिक सटीक बना देता है जिससे मरीज तेजी से रिकवरी करता है।

स्वाभिमानी भारत विकास संघ नें विश्वयोग दिवस में बच्चों एवं महिलाओं को सिखाये योग करके निरोग रहने के गुरु मंत्र

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

स्वाभिमानी भारत विकास संघ नें विश्वयोग दिवस में बच्चों एवं महिलाओं को सिखाये योग करके निरोग रहने के गुरु मंत्र और किया भारत माता का जय घोष

रोज करके जतन हम
योग करेंगे!
मन मधुर और तन को
निरोग करेंगे!
ले वचन आज हम राष्ट्र
निर्माण में!
खुद को परमार्थ में
प्रयोग करेंगे!

माण्डवी मिश्रा एडवोकेट नें बच्चों एवं महिलाओं को एवं मस्तिष्क को स्वस्थ रखनें के लिए प्रतिदिन योग करने की दिलाई सपथ साथ ही राष्ट्र के उत्थान अपनी सहभागिता देनें को किया प्रेरित

स्वाभिमानी भारत विकास संघ एवं परिवर्तन राजभाषा अकादमी नई दिल्ली की संयुक्त तत्वाधान में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में योग शिविर लगवा कर बच्चों एवं महिलाओं को योग के लिए प्रेरित किया एवं राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए संकल्प लिया जिसमें संस्था केंद्रीय उपनिदेशिका श्री मति रंजना पाण्डेय जी नें कार्यक्रम के व्यवथापक की भूमिका निभाई राष्ट्रीय सचिव माधवी तिवारी जी नें बच्चों को शुभकामनायें दी एवं आत्मनिर्भर बनने की का गुरूमंत्र दिया वहीं संस्था की सहयोगी के रूप सुश्री वंदना जी एवं कल्पना जी नें मिलकर योग और प्राणायाम की अनेक मुद्राओं से बच्चों शिक्षित किया पश्चात सभी बच्चों एवं महिलाओं को जलपान कराया और राष्ट्र वंदना के भारत माता का जय घोष हुआ

आपको बता दें कि स्वाभिमानी भारत विकास संघ एक राष्ट्रीय संस्था है जो गरीब बच्चों,महिलाओं की साहतार्थ सदैव तत्पर रहती है और देश की युवा पीढ़ी को प्रेरित करनें और सांस्कृतिक साहित्यिक एवं राष्ट्रीय धरोहरों को रखने के लिए अनेक अभियानों एवं अनुष्ठानों के माध्यम से अंतराष्ट्रीय स्तर भारतीयता का परचम लहरानें के साथ भारत को विश्व गुरू बनाने में बड़ा योगदान भी दें रही है संस्था के अंतरराष्ट्रीय परियोजना के तहत कृष्ण गाथा एवं कृष्ण भक्ति का रहस्यमय वैश्विक विस्तार जिसमें भगवान राम और भगवान कृष्ण की जीवन शैलियों के माध्यम से हमें विश्व शांति राष्ट्र निर्माण युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार करते हैं संस्था के अध्यक्ष मांडवी मिश्रा जी ने कहा कि वर्तमान शिक्षा पद्धति में हमारे वेद और पुराणों का समावेश होना चाहिए जिससे हमारी युवा पीढ़ी हमारे पूर्वज रामकृष्ण विवेकानंद एवं ऐसी महान विभूतियों का अनुसरण करें और अपने जीवन का लक्ष्य राष्ट्र का निर्माण में निर्धारित करें।

मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने सड़क जाम कर किया विरोध प्रदर्शन

–जलापूर्ति से लेकर कई समस्याएं से जूझ रहे छात्र

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सिद्धिकपुर के उमानाथ सिंह स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) के छात्रों ने गुरुवार की दोपहर अपनी समस्याओं से लेकर जौनपुर शाहगंज मार्ग जाम कर दिया। इस दौरान मेडिकल कॉलेज प्रशासन पर लापरवाही करने का आरोप लगाया। हालांकि डिप्टी सीएम के आगमन की आशंका को लेकर भारी संख्या में पुलिस फोर्स व प्राचार्य ने समझा–बुझाकर आश्वासन दिया उनके समस्याओं का निराकरण जल्द होगा जिसे छात्र शांत हुए। उमानाथ सिंह स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) के छात्रों ने अपनी समस्या को लेकर अचानक गुरुवार की दोपहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। नाराज सभी छात्र छात्रा जौनपुर शाहगंज मार्ग पर मुख्य गेट के सामने सड़क पर कॉलेज का बोर्ड व ट्रक रुकवाकर चक्का जाम कर दिया। और प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने लगे। एमबीबीएस के छात्रों का आरोप है की उन्हें पीने व नहाने के पानी की सबसे बड़ी समस्या है। सुरक्षा के नाम पर कोई बाउंड्री वाल नहीं है और रात मे अराजक तत्व मेडिकल कॉलेज में घुस जाते हैं मनमानी करते है ,ठीकेदारो द्वारा छात्र उपयोगी सामान व फर्नीचर चुरा ले जाते हैं ।आईपीडी अभी तक काम नहीं कर रहा है ।दूसरे वर्ष के छात्र मरीजों से निपटने और व्यावहारिक ज्ञान हासिल करने में असमर्थ हैं ।परिसर में कोई पक्की सड़क नहीं है सब कच्चे रास्ते में पत्थर व चट्टानों के टुकड़े हैं द्वितीय वर्ष के विभागों का निर्माण अभी नहीं हुआ 120 छात्रों की क्षमता के लिए केवल 10 शौचालय हैं। छात्रों को लाइन लगाना पड़ रहा है। ये मांग साल भर से किया जा रहा है। लेकिन प्रशासन समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है। इनकी लापरवाही के चलते समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। छात्रों के लिए खेल का कोई मैदान नहीं है ।इसी अगस्त में यहां छात्रों की संख्या बढ़कर 300 हो जाएगी तो बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी। छात्रों ने कहा कि समस्याओं का निदान नहीं किया गया तो वह मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन देंगे। मौके पर पहुंचे प्राचार्य प्रो शिवकुमार चीफ प्रॉक्टर डॉक्टर ए ए जाफरी और पुलिस पुलिस प्रशासन ने एमबीबीएस के छात्रों से बातचीत कर जल्द उनकी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही है और उन्होंने कहा कि निर्माण निगम से बात चीत कर जो मूल भूत सुविधा है उसे उपल्ब्ध करवाने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि उधर डिप्टी सीएम के आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूल गए वह शिक्षको ने छात्रों को आश्वासन दिया कि समस्याओं का जल्द से जल्द निदान किया जाएगा ।जिनके आश्वासन पर एक घण्टे बाद छात्र मानकर लौट गए।

माई वर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया योग शिविर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ममता हेल्थ इंस्टिट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड संस्था व एच सी एल फाउंडेशन के सहयोग से लैंगिक समानता पर आध ारित माई वर्थ कार्यक्रम लखनऊ जनपद के 12 उच्च प्राथमिक और 3 राजकीय इंटर कॉलेजों में संचालित किया जा रहा है ।

माई वर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत योग दिवस के उपलक्ष्य में बख्शी का तालाब इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज इंदिरा नगर , व राजकीय बालिका इंटर कॉलेज विकास नगर तथा 12 पूर्व माध्यमिक विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालयों में निम्नलिखित गतिविधियां के माध्यम से समुदाय के लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया । पोस्टर एवं स्लोगन लेखन, क्विज कंपटीशन, जन जागरूकता रैली, तथा योगाभ्यास आदि गतिविधियां कराई गई इन गतिविधियों के माध्यम से समाज को रोगमुक्त बनाने जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई इनका उद्देश्य विद्यार्थी एवं समुदाय के लोगों को योग के प्रति जागरूक करना तथा रोग मुक्त भारत बनाने और एकजुट होकर देश की एकता और विकास में अपना अपना योगदान देना।

कथा भागवत कार्यक्रम के द्वारा कराई गई प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बख्शी का तालाब इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर कृष्ण कुमार शुक्ला व रविंद्र कुमार तथा विद्यालय शिक्षक गण के द्वारा विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, इस प्रतियोगिता में लगभग 275 बच्चों ने प्रतिभाग किया इस अवसर पर माय वर्क कार्यक्रम के कार्यक्रम प्रबंधक अंकुर दिवाकर व अंजलि गौड़ तथा प्रवेश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कोकोकूल कोकोनट हेयर ऑयल– जो देता है पोषण और ठंडक भी

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

राजधानी लखनऊ। कोकोकूल कोकोनट हेयर ऑयल– एक अनूठा नारियल तेल,जिसमें रचा– बसा है

अद्वितीय पोषण और ठंडक भरे एहसास वाला मेंथॉल और साथ ही साथ इसमें हैं कई चमत्कारी जड़ी बूटियां।

भारत में फार्मास्यूटिकल और एफएम सीजी उद्योग का सुप्रसिद्ध नाम हेज मेडिकल गर्व से प्रस्तुत करता है एक अद्भुतपूर्व उत्पाद ष्कोकोकूल कोकोनट हेयर ऑयल। यह अपनी तरह का पहला अनूठा उत्पाद है, जो पेश करता है प्राकृतिक पोषण और ठंडक भरे सुखद प्रभाव का सही मिश्रण।

कोकोकूल कोकोनट हेयर ऑयल को उत्कृष्ट सामग्रियों के मिशन से सावधानीपूर्वक तैयार किया जाता है इसमें शामिल है।

आर्निका – जो बालों को जड़ो से मजबूत करता है और झड़ने से रोकता है साथ ही साथ इसमें शामिल हैं, य्लांग य्लांग, जो देता है भीनी भीनी खुशबू एवं प्राकृतिक कंडीशनिंग टी ट्री ऑयल ,जो रूसी को नियंत्रित करता है और बालों को लंबा और घना बनाता है। यह असाधारण सम्मिश्रण सुनिश्चित करता है कि बालों की देखभाल की जरूरतों के लिए कोकाकूल कोकोनट ऑयल से मिल पाए एक समावेशी समाधान है।

पुरानी पेंशन बहाली हुंकार रैली को सफल बनाने के लिए शिक्षक संघ ने कसी कमर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, इकाई जौनपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक डायट परिसर /बीएसए कार्यालय में जिलाध्यक्ष अमित सिंह की अध्यक्षता में हुई। जिसमें जिलाध्यक्ष ने समस्त तहसील प्रभारी ब्लाक अध्यक्ष एवं मंत्री को अवगत कराया कि पुरानी पेंशन बहाली को लेकर NJCA (नेशनल ज्वाइंट कमेटी ऑफ एक्शन) पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय संयुक्त मंच के बैनर तले पुरानी पेंशन बहाली के लिए विभिन्न आंदोलन किए गए है। इसी क्रम में पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय संयुक्त मंच के तत्वाधान में दिनांक 27जून 2023 को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शिक्षकोंध कर्मचारियों की संयुक्त रैली आंदोलन (पुरानी पेंशन बहाली हुंकार रैली) आयोजित किया गया है। जिसमें प्रदेश के विभिन्न कर्मचारी संगठन एवं शिक्षक संगठन सम्मिलित हो रहे है। उक्त आंदोलन में शिक्षकों के हित को ध्यान में रखते हुए अखिल

भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल सिंह के मार्गदर्शन व निर्देशन में उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष सुशील पांडेय के कुशल नेतृत्व में पुरानी पेंशन बहाली के उक्त आंदोलन में पूरी तकत व तन्मयता से सम्मिलित है। श्री सिंह ने कहा कि जिले स्तर पर हम सभी को कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष प्रदीप सिंह व अन्य 40 से अधिक संगठनों के साथ समन्वय बनाते हुए पूरे तन मन से लगकर भारी से भारी संख्या में शिक्षकों ध् कर्मचारियों से सम्पर्क करके उनको लखनऊ चलने के लिए तैयार करना है। इस अवसर पर जिला मंत्री सतीश पाठक ने सभी ब्लाक अध्यक्ष मंत्री से अपने अपने ब्लाक से लखनऊ में चलने वाले शिक्षकों की सूची उपलब्ध कराने के लिए कहा और भारी से भारी संख्या में धरने स्थल पर पहुंचने के लिए जोर दिया।

चौदह कोसी व पंचकोशी परिक्रमा मार्ग के चौड़ीकरण का मामला

जिला प्रशासन चौड़ीकरण की जद में आ रहे लोगों से ले रहा सहमति पत्र, घर घर पहुंच रही टीम, स्थानीय लोगों ने मीडिया को सुनाई अपनी व्यथा, सरकार पहले पुनर्वास करें फिर करें विस्थापित, हजारों लोगों के व्यवसाय होंगे चौपट, गरीबों का रोजगार होगा चौपट, डीएम नीतीश कुमार का बयान, अभी निर्माण का समय थोड़ी कठिनाई जरूर लेकिन लांग टर्म में होगा काफी बेहतर, राम मंदिर निर्माण के साथ अयोध्या में बढ़ रही श्रद्धालुओं की आमद, बढ़ेंगे रोजगार, राम पथ, भक्ति पथ व जन्मभूमि पथ के बाद अब योगी सरकार 14 कोसी व पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का करवा रही है चौड़ीकरण।

राजेन्द्रा टोयोटा गोरखपुर द्वारा मोक्ष धाम पर लगाये गए फलदार व छायादार वृक्ष

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोरखपुर। राजेन्द्रा टोयोटा गोरखपुर के जी०एम पी आर शुक्ला के नेतृत्व में कालेसर निकट मोक्ष धाम पर नीम बरगद व पीपल, अमरूद आदि फलदार और छायादार वृक्ष लगाया गया जिसमे कंपनी के यूनिट हेड, विनित श्रीवास्तव और वारंटी एडमिन सीयवी द्विवेदी, अनंत भट्ट आदि शामिल रहे।

आप पार्टी ने बिजली कटौती को लेकर किया प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बिजली कटौती के खिलाफ आम आदमी पार्टी जौनपुर के सभी साथियों ने जिला अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह मुन्ना के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन कर जिलाधि ाकारी को हाथ के पंखा और ज्ञापन सौंपा किया ।इसी क्रम में बौद्ध प्रांत के प्रभारी डॉ अनुराग मिश्रा ने कहा कि कि प्रदेश में बिजली की अघोषित कटौती हो रही है.जनता बिजली कटौती से त्राहिमाम कर रही है. पूरे प्रदेश में बिजली कटौती का संकट लोग झेल रहे हैं गर्मी की वजह से अस्पतालों में लोग भर्ती हो रहे हैं और मौतें हो रही हैं। इसी क्रम में जिला अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह मुन्ना ने कहा कि अकेले पूर्वांचल में सैकड़ों लोगों की मौतें हो चुकी हैं. अस्पतालों में भर्ती मरीज गर्मी से बेहाल होकर भाग रहे हैं इसी क्रम में जिला महासचिव विनोद कुमार प्रजापति ने कहा कि और गर्मी के कारण तमाम बीमारियों का शिकार हो रहे हैं. ये बेहद दुर्भाग्य है कि 21वी सदी में लोगों को बिजली जैसी मूलभूत इसी क्रम में व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय पाठक ने कहा कि आवश्यकता की पूर्ति नहीं हो रही है. बिजली आपूर्ति न होने की वजह से गर्मी के कारण लोगों की मौत हुई है ये मौत नहीं हत्या है. लोगों की मौतों पर भाजपा के मंत्री संवेदनहीन बयान दे रहे हैं ये दुःखद है. इसी क्रम में महिला प्रकोष्ठ के जिला महासचिव पूजा सिंह ने कहा किवहीं दूसरी तरफ दिल्ली की केजरीवाल सरकार बिना कटौती 24 घंटे बिजली दिल्ली की जनता को उपलब्ध करा रही है. उत्तर प्रदेश की जनता योगी सरकार से जानना चाहती है कि जब दिल्ली की जनता को मुफ्त और बिना कटौती 24 घंटे बिजली उपलब्ध हो सकती है तो उत्तर प्रदेश की जनता को देश में सबसे महंगी और बिना कटौती 24 घंटे बिजली क्यों नहीं उपलब्ध हो पा रही है ? जबकि भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश की जनता को मुफ्त और 24 घंटे बिजली देने का वादा किया था आखिर यह वादा जुमला क्यों हो गया? जनता जानना चाहती है। आज उत्तर प्रदेश में 27000 मेगावाट बिजली की जरूरत है, और मात्र 4 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है. 23 हजार मेगावाट बिजली बाहर से खरीदी जा रही है.उसके बाबजूद 10– 12 घंटे की बिजली कटौती होती है. अघोषित बिजली कटौती से लोग बेहद परेशान है बिजली विभाग में वर्तमान में 1 लाख कर्मचारियों की जरूरत है लेकिन मात्र 34 हजार कर्मचारी बिजली विभाग में कार्यरत हैं. 66 हजार बिजली कर्मचारियों की कमी है जिसकी वजह से विभाग ठीक से काम नहीं कर पा रहा है. ट्रांसफार्मर फूंक जा रहे है, जगह जगह तार टूट रहे है. कर्मचारियों के अभाव में काम नहीं हो पा रहा है और लोग गर्मी में रहने को मजबूर है। इसी क्रम में जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव ने कहा कि गर्मी के कारण प्रदेश में जो मौतें हुई है उन मृतक के परिवार को उचित मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाये. बिजली विभाग में रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाए।

निकाह का झांसा देकर करता रहा शारीरिक शोषण, युवती की शिकायत पर हुआ दर्ज हुआ मुकदमा

हरदोई। पिहानी थाने की एक अल्पसंख्यक समुदाय की युवती ने एक अल्पसंख्यक समुदाय के ही युवक पर निकाह का झांसा देकर 6 महीने तक बलात्कार करने का आरोप लगाया है। युवती ने कोतवाली को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि युवक निकाह की बात कहकर शारीरिक शोषण करता रहा। जब युवती ने निकाह करने का दबाव बनाया तो उसने इंकार कर दिया और चोरी छुपकर बनाए अश्लील वीडियो को वायरल करने की ध मकी भी दी। पीड़ित युवती ने बताया कि पिछले तीन वर्ष से उसकी बात फोन पर मोहल्ले के ही एक युवक से हो रही थी। बीते 20 दिसंबर की रात में युवक ने आधी रात को घर मे घुसकर, निकाह का झांसा देकर शारीरिक संबंध बना लिए। इसके बाद कई बार दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने। युवती ने आरोप लगाया कि जब निकाह करने की बात कही तो आरोपी ने इन्कार कर दिया। पीड़िता ने मामले की शिकायत अब पुलिस से की है। इस मामले में पिहानी कस्बा प्रभारी रजनीश त्रिपाठी ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

राम की पैड़ी पर नवम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का हुआ भव्यता पूर्वक आयोजन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव) बुधवार को राम की पैड़ी में नवम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

भव्यता से किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में सांसद लल्लू सिंह व विशिष्ट अतिथि के रुप में उत्तराखण्ड सरकार के मंत्री चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, सहकारिता, उच्च शिक्षा, विद्यालयी शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा डा0 धन सिंह रावत मौजूद रहे। इनके अलावा इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्षध्भाजपा हिमाचल प्रदेश के प्रभारी अविनाश राय खन्ना, मेयर महंत गिरीश पति त्रिपाठी सहित पुलिस महानिरीक्षक आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुनिराज जी सहित अनेक मण्डल एवं जनपद के अधिकारियों के अलावा लोहिया विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं सहित स्वयंसेवी संगठनों ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में भागेदारी की।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रुप में आये उत्तराखण्ड सरकार के मंत्री धन सिंह रावत ने अपने सम्बोधन में कहा कि बड़े गर्व की बात है कि मुझे अयोध्या में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में भाग लेने का मौका मिल रहा है। मैं इस अवसर पर उत्तराखण्ड सरकार की तरफ से तथा व्यक्तिगत तरफ से सभी को बधाई देता हू। इससे पहले मुख्य अतिथि के रुप में अवसर पर सांसद लल्लू सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि मैं सभी लोगों का राम पैड़ी में स्वागत करता हूं तथा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी को बधाई देता हूं।आज हमारे प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के न्यूयार्क शहर में योग करेंगे तथा लोगों को संदेश देंगे। उक्त अवसर पर मेयर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि योग मन एवं तन को शुद्ध करता है आज रामनगरी में सभी का स्वागत करता हूं। इस कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव, अपर जिलाधिकारी नगर सलिल कुमार पटेल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित सिंह, अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह, उपनिदेशक सूचना डा0 मुरलीधर सिंह, सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी,स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि के अलावा जनपद के स्वास्थ्य विभाग, विकास विभाग, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग के अधिकारी आदि ने भाग लिया।उक्त अवसर पर मीडिया के लोगों की भी सक्रिय भागीदारी रही तथा पतंजलि योग पीठ के आचार्यो द्वारा इस कार्यक्रम का संचालन किया गया। केन्द्र प्रभारी कमलेश दास सहित अन्य संत महंत आदि उपस्थित रहे तथा आज का हर घर योग के नारे एवं जय श्रीराम के नारे के साथ सभी ने उद्घोष किया तथा सभी ने सहयोग किया एवं सभी ने एक दूसरे को बधाई दी।

देवा में नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शिक्षकों व छात्रों ने किया योग

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के

उसरू–अमौना स्थित देवा इंटर कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दिनांक 21 जून 2023 दिन बुधवार को धूमधाम से उत्साह पूर्वक मनाया गया। योग दिवस की थीम ष्हर घर आंगन योग विषय पर योग व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्र छात्राओं व शिक्षकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने एक से बढ़कर एक चित्रकला का प्रदर्शन किया व विभिन्न योग कर तन मन को स्वस्थ रखना सीखा। छात्र–छात्राओं में अपने परिवार व आसपास के लोगों को ष्योग करे निरोग व हर घर आंगन योगष के स्लोगन द्वारा जागरूक करने का विशेष उत्साह रहा।

विद्यालय के योग प्रशिक्षक के साथ सभी शिक्षकों ने एक साथ विभिन्न योग (अनुलोम–विलोम, ताड़ासन, वज्रासन, पद्मासन, आदि) कर योग के गुण उसके शारीरिक व मानसिक सकारात्मक प्रभाव को जाना। ष्आधुनिक जीवनशैली जनित शारीरिक एवं मानसिक रोगों में योग का प्रभावष विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें सभी शिक्षकों को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रधानाचार्या ने कहा कि योग एक ऐसी क्रिया है जिसके उपयोग से तन व मन को पूर्णतः स्वस्थ रखा जा सकता है।

सरयू में डूबते समय एक युवक का रेस्क्यू व दूसरा लापता, तलाश जारी

अयोध्या।सरयू नदी में हादसों का सिलसिला लगातार बढ़ता ही जा रहा है।बुधवार को सुबह साढ़े नौ बजे में गोंडा जिले से अपने परिजनों के साथ दर्शन पूजन करने आये दो युवक नया घाट चौकी क्षेत्र के सरयू आरती घाट पर स्नान करते समय डूबने लगे।जिसमें से एक युवक को जल पुलिस कर्मियों ने रेस्क्यू कर बचा लिया।जबकि एक अन्य युवक सरयू नदी में लापता हो गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली अयोध्या मनोज शर्मा ने बताया कि बुधवार को गोंडा जिले के तरबगंज से उक्त दोनों युवक अपने परिवार के साथ अयोध्या दर्शन पूजन के लिए आये थे।उन्होंने बताया कि दोनों युवक सरयू स्नान के दौरान डूबने लगे।कड़ी मशक्कत के बाद परिजनों ने जल पुलिस की मदद से एक युवक का रेस्क्यू तो कर लिया।जबकि 18 वर्षीय दूसरा युवक दुर्गेश सरयू में अचानक लापता हो गया।वही परिजनों ने परिजनों ने जल पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या ने बताया कि पीड़ित परिवार का पुलिस पर लगाया जा रहा आरोप निराधार है।डूबे हुए युवक की तलाश जारी है।

इस समय उड़ती धूल व रेत शहर वासियों के लिए बनी मुसीबत

घरों से निकलते समय लोग करे मास्क का प्रयोग - डा. गौरव श्रीवास्तव

अयोध्या।राम पथ, धर्म पथ व भक्ति पथ निर्माण के चलते इस समय सबसे अधिक परेशानी धूल व रेत के उड़ने से स्थानीय लोगों व इधर से

गुजरने वाले लोगों को हो रही है।चिकित्सक के मुताबिक इस धूल व रेत से लोग फेफड़े से संबंधित कई गंभीर रोगो से पीड़ित हो सकते है।चिकित्सक ने इधर से गुजरने वाले लोगों को मास्क लगाने की सलाह दिया है।यहां पर रहने वाले स्थानीय लोगों के अलावा इधर से गुजरने वाले राहगीरों को काफी परेशानी हो रही है।मालूम हो कि इस समय सहादतगंज से लता मंगेशकर चौक तक तेरह किलोमीटर की दूरी तक राम पथ निर्माण कार्य हो रहा है इसके अलावा धर्म पथ व भक्ति पथ का कार्य निर्माणधीन है।इस मार्ग के निर्माण के चलते इस मार्ग के किनारे यूटिलिटी व डक्ट खोदे जा रहे है।जहां पर जगह जगह मिट्टी व रेत के ढेर लगे हुए है।इस समय यहां पर इकट्ठा मिट्टी व रेत तेज हवा के साथ उड़ कर स्थानीय लोगों व इधर से गुजरने वाले राहगीरों के लिए मुसीबत बढ़ा रही है।इस जगह पर रहने वाले स्थानीय लोगों ने बताया कि हमेशा यहां पर उड़ती धूल के चलते जीना मुश्किल हो गया है।लोगों को घर से निकलना तो दूर अपने घरों में ही रहना मुश्किल हो गया है।धूल व रेत से बचने से बचने के लिए लोग इधर से आने के लिए कतराते हुए नजर आ रहे है। जिसके चलते कई मार्ग सूनी दिखाई दे रही है।वही दशा शहर के उन मुहल्लों व कालोनियों की है जहां पर इस समय सीवर लाइन आदि बिछाने के लिए खुदाई हुई है। शहर के सहादतगंज, हनुमानगढ़ी, देवकाली तिराहा, कचेहरी, रोडवेज, सिविल लाइन, रिकाबगंज, नियांवा, खवासपुरा,रीडगंज,रीडगंज ओवर ब्रिज, साहबगंज, बछड़ा सुल्तानपुर, बैंकर्स कालोनी बछड़ा सुल्तानपुर सहित कई चौराहों के साथ साथ मुहल्लों व कालोनियों में इस तरह की स्थिति उत्पन्न हुई है।इस संबंध में शहर के चिकित्सक डाक्टर गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि धूल से हमारे फेफड़े पर काफी बुरा असर पड़ता है।धूल के चलते एक स्वस्थ व्यक्ति भी दमा व फेफड़े से संबंधित अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित हो जाता है। यहां तक कि वह कैंसर जैसी गंभीर गंभीर बीमारी से भी संक्रमित हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस समय सभी व्यक्ति अपने घरों से निकलते समय धूल से बचने के लिए मास्क का प्रयोग करें।

एनयूजे स्कूल एवं डीजेए द्वारा 24 जून को आपातकाल और प्रेस पर संगोष्ठी का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
नई दिल्ली। एनयूजेआई स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन तथा दिल्ली पत्रकार संघ द्वारा 24 जून 2023 को नई दिल्ली के हरियाणा भवन में आपातकाल और प्रेस विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। परिचर्चा में आईटीवी के संपादकीय निदेशक आलोक मेहता, हिन्दुस्थान समाचार के प्रधान संपादक रामबहादुर राय, पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर प्रमुख वक्ता होंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के अध्यक्ष रास बिहारी करेंगे। एनयूजे स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन के अध्यक्ष अनिल पांडेय और सचिव के पी मलिक ने बताया कि संगोष्ठी को दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के संयोजक राकेश थपलियाल, एनयूजेआई के सचिव अमलेश राजू, पूर्व उपाध्यक्ष सीमा किरण, संसद टीवी के वरिष्ठ एंकर मनोज वर्मा, यूनीवार्ता ब्यूरो प्रमुख मनोहर सिंह,विशेष संवाददाता सचिव बुधौलिया, एनयूजे के मीडिया प्रभारी और पब्लिक एशिया के प्रधान संपादक मुकेश वत्स और वरिष्ठ पत्रकार संबोधित करेंगे।

विद्युत कर्मियों पर मुख्यमंत्री का फरमान भी हुआ बेअसर, शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं हो रही विद्युत आपूर्ति

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को शहरी क्षेत्रों की तरह विद्युत आपूर्ति देने का सूबे के मुखिया का फरमान भी बेअसर साबित हो रहा है।सरकार द्वारा विद्युत आपूर्ति कराकर कृषि उत्पादन व विद्युत पर आधारित कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देने का संकल्प तो व्यक्त किया जा रहा है।लेकिन विद्युत कर्मियों की अकर्मण्यता पूर्ण शैली से शासन की मंशा फलीभूत नही हो पा रही है।जिसके चलते न खेतों की सिंचाई हो पा रही है और न बिजली पर आश्रित उद्योग चल पा रहे हैं।ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ध्वस्त चल रही है।यह हाल बीपी मवई फीडर से चलने वाली विद्युत आपूर्ति नेवरा की।जहां इस भीषण गर्मी में पूरा पूरा दिन निकल जाता है बिजली आने का नाम नहीं लेती।बताते हैं जब उपभोक्ता फीडर पर बात करना चाहता है तो फीडर का फोन अक्सर बंद रहता है जब कभी उठता भी है तो वहां से बता दिया जाता है कि लाइन अभी ऊपर से नहीं है।इस प्रचंड गर्मी में वह भी दिन की विद्युत आपूर्ति अगर बाधित रहे तो लोगों का क्या हाल होगा।जैसे तैसे लोग बिन बिजली दिन गुजार रहे हैं।विद्युत लाइन के अनुक्षरण व देखभाल हेतु नियुक्त लाइनमैन अपनी मन मर्जी से कार्य करता है।उस पर भी किसी प्रकार के फरमान का कोई असर नहीं होता।ऐसे में किसानों के लिए भी बिजली न आना मुसीबत भरा है। क्यों कि किसान इस समय बैरन करने में जुटा है और पर्याप्त बिजली न मिलने से समय पर बैरन को पानी नहीं मिल पाता है।देर रात तक किसान अपने बैरन को सींचने के लिए बिजली का सहारा देखता रहता है।पर्याप्त बिजली न मिलने से जहां एक ओर लोगों का जीना मुहाल है वहीं किसानों पर भी इसका असर साफ दिखाई देता है।अब सवाल यह है कि आखिर जिम्मेदार क्यों नहीं दे रहे ध्यान?

युवती के अपहरण में दरोगा लाइन हाजिर

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) तीन दिन पूर्व क्षेत्र से लापता हुई युवती के मामले में एसएसपी ने दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया।युवती के परिजनों की तरफ से गैर समुदाय के दो युवकों समेत तीन लोगों के विरूद्ध मकदमा दर्ज कराया था। युवती की बरामदगी व आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर रविवार को व्यापारियों ने ग्राम नेवरा में उमापुर दुल्लापुर मार्ग पर धरना–प्रदर्शन किया था। सूचना पाकर आनन–फानन में सीओ रुदौली सत्येंद्रभूषण तिवारी समेत चार थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। सीओ के समझाने पर आक्रोशित व्यापारियों ने धरना समाप्त कर दिया था।इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में एसएसपी मुनिराज जी ने हलका दरोगा फरीद खां को लाइन हाजिर कर दिया।

पैदावार बढाने से ही हो सकती है किसानो की उन्नति : अरविंद यादव

हरदोई। किसानो को अपनी आमदनी बढाने के लिए सरकारी संसाधनो अथवा अनुदान के अतिरिक्त अपनी उपज बढाने के उपायो पर भी गहनता से विचार करना होगा तभी उसकी आमदनी में आशातीत बढ़ोतरी हो सकते हैं उक्त उद्गार श्रीराम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स के रीजनल मैनेजर मार्केटिंग अरविंद यादव ने पाली बाईपास रोड पर राठौर ब्रदर्स के संयोजकत्व मे आयोजित श्रीराम अग्रिम किसान गोष्ठी में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि किसानों को अधिक पैदावार लेने के लिए बीज से लेकर फसल तैयार होने तक पौधे के लिए आवश्यक तत्वों के बारे में समुचित जानकारी होनी चाहिए। किस रोग में कौन सी दवाई प्रयोग की जाये इसकी जानकारी बगैर अच्छी पैदावार नहीं की जा सकती । उन्होंने कहा कि श्रीराम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स एक ऐसी कंपनी है जिसने प्राइवेट सेक्टर में किसानों के लिए सबसे पहले यूरिया का उत्पादन करना शुरू किया था । जिसके प्रयोग से किसानों को काफी लाभ भी पहुंचा लेकिन केवल यूरिया डीएपी अथवा पोटाश ही पौधे के लिए आवश्यक तत्व नहीं है उसके लिए सूक्ष्म तत्वों की भी आवश्यकता होती है जिनका समय–समय पर प्रयोग करना जरूरी हो जाता है । उन्होंने कहा कि अच्छी पैदावार के लिए जड़ों का विकास होना जरूरी है क्योंकि जड़े ही मृदा से आवश्यक तत्व ग्रहण कर पौधों के हर भाग तक पहुंचाने का काम करते हैं । श्रीराम जीवा एक ऐसा उत्पाद है जो जड़ों के विकास के लिए काफी कारगर है ।जिसमें सूक्ष्मजीवी माइक्रोराइजा पाया जाता है । उन्होंने कहा अभी तक गेहूं फसल के लिए प्रमाणित बीज तथा रिसर्च बीज ही मार्केट में उपलब्ध थे लेकिन अब उनकी कंपनी हाइब्रिड गेहूं बीज लाने के लिए भी रिसर्च कर रही है । उच्च तापमान पर किस प्रकार गेहूं की खेती की जा सकती है इस पर भी शोध किया जा रहा है , तथा इसके लिए कंपनी मास्को तथा अन्य जगहों पर इसका ट्रायल भी कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने अग्रिम किसानों को श्रीराम जीवा का निशुल्क वितरण भी किया ।

पौराणिक कुंडो के सौंदर्यीकरण और जीणोद्धार कराने पर डीएम का जा रहा ध्यान

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव)। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि अयोध्या धाम में विभिन्न पौराणिक कुंडो के सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है।अब तक अयोध्या धाम में पौराणिक स्वर्णखनि कुंड, हनुमान कुंड एवं गणेश कुंड के जीर्णोद्धार एवम् सौंदर्यीकरण का कार्य पूर्ण कर उसकी पौराणिकता के अनुरूप सुंदर बनाया गया है। इसी के साथ ही सूर्यकुंड को भी भव्य एवं सुंदर बनाया जा चुका है।इसी के क्रम में पौराणिक सीता कुंड, गिरजा कुंड एवं दंतधावन कुंड के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य का शुभारंभ हो चुका है जिसके तहत इन कुंडों का भी स्वर्णखनि कुंड, हनुमान कुंड एवम् गणेश कुंड के तर्ज पर उसकी पौराणिकता को जीवंत बनाने तथा उसे भव्य एवम् आकर्षक स्वरूप प्रदान करने का कार्य किया जाएगा।इन कुंडों पर भी आकर्षक फ्लोरिंग के कार्य के साथ ही विश्राम घर बाउंड्री वाल, प्रवेश द्वार, प्रत्येक कुंड पर उनकी पौराणिकता एवम् इतिहास को दर्शाती हुई आकर्षक व्याख्या दीवार, शौचालय, बेंच आदि कार्य किए जायेंगे, इसी के साथ ही परिसर में आकर्षक फूलदृपौधे भी रोपित किए जायेंगे।जिलाधिकारी ने कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर को उक्त कुंडों पर समस्त कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया है, उन्होंने समस्त कार्यों को आगणन की विशिष्टियों के अनुरूप गुणवत्ता एवम् उच्च स्तर की फिनिशिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी में आयोजित हुआ योग

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव)34 वी वाहिनी पीएसी वाराणसी मीडिया सेल के मुताबिक बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय

योग दिवस के अवसर पर,वाहिनीं के परिसर में अजय कुमार सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीएसी वाराणसी अनुभाग की उपस्थिति में बड़ी संख्या में पीएसी के जवानों द्वारा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य मजबूत रखने के लिए डॉ राजीव नारायण मिश्र आईपीएस सेनानायक 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी एवं समस्त जवानों ने सामूहिक रूप से संगीत की मधुर ध्वनि पर योगाभ्यास करते हुए योग दिवस मनाया।इस अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक ने योग के महत्व के बारे में बताते हुए जवानों को नियमित योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया एवं कहा कि ष्योग से तमाम बीमारियों से मुक्ति पाई जा सकती है। ऐसे में स्वस्थ जीवन के लिए योग बहुत जरूरी है।रोजाना अपनी व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय योग के लिए जरूर निकालें।ष्इसके साथ ही सेनानायक डा. मिश्र ने योग प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए योग के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ष्योग हमारी अंतरदृष्टि को विस्तार देता है,योग हमें उस चेतना से जोड़ता है जो हमें जीव मात्र की एकता का एहसास कराती है, जो हमें प्राणी मात्र से प्रेम का आधार देती है इसलिए हमें योग के जरिए हमारे अंतरविरोधों को खत्म करना है, हमें योग के जरिए हमारे गतिरोधों और प्रतिरोधों को भी खत्म करना हैं।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योगाभ्यास के महत्व एवं प्रभावों को पूरे विश्व ने स्वीकार किया है तथा कहा कि स्वस्थ मन के बाद जीने की कला योग से ही सीखने को मिलती है।

हमारे ऋषि–मुनियों ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है कि ष्युज्यते अनेन इति योगश अर्थात जो जोड़ता है वो योग है।ष्इस अवसर पर सहायक सेनानायक नरेश सिंह यादव, सहायक सेनानायक अरुण सिंह, शिविर पाल अजय प्रताप सिंह, सूबेदार सैन्य सहायक गोपाल जी दूबे सहित बड़ी संख्या में वाहिनी के जवानों ने प्रतिभाग किया। योग प्रशिक्षक के रूप में सुबेदार श्री विश्वजीत यादव द्वारा उपस्थित सभी को योगाभ्यास कराया गया। सफल योग कार्यक्रम आयोजित करने के लिए डॉ राजीव नारायण मिश्र ने सभी को धन्यवाद किया तथा पीएसी ब्रास बैंड की मधुर ध्वनि के साथ योगाभ्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ।

खाद्य विभाग द्वारा रेस्टोरेंट के निरीक्षण में रैंकिंग के आधार पर कोई पास तो कोई फेल

अयोध्या। कमिश्नर अयोध्या मंडल अयोध्या गौरव दयाल के निर्देश पर जिले के सभी रेस्टोरेन्ट में समानता लाने के साथ साथ उनके गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु वृहद स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है।इसी के तहत मंगलवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा एक मुहिम जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चलाया गया।इस विभाग के अधिकारी व कर्मियों ने शहर के कई इलाकों में स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों पर विशेष ध्यान देते हुए उनकी रैंकिंग अंकवार किया।रैंकिंग की कड़ी में बाहरी भाग में 05, बेहतर लाइटिंग वार्म लाईटिंग 05,फसाड प्लान के अनुरूप वॉल पेंटिंग– 05,फर्श की टाईलिंग – 05,

स्वच्छ एवं क्रियाशील टॉयलेट – 05,किचन की आन्तरिक व्यवस्था– 05,रेस्टोरेन्ट की सर्विस व्यवस्था – 05,सिटिंग अरेन्जमेन्ट (उच्च क्वालिटी के मेज एवं कुर्सियाँ)– 05,फूड हैण्डलर्स डेक्स कोड – 05,सिटिंग एरिया मे मीनू कार्ड एवं रेट लिस्ट – 05 अंक निर्धारित किया गया है।इस तरह कुल 50 अंक निर्धारित है। मानक के अनुरूप द्वितीय चरण में नगर निगम अयोध्या (धर्मपथ) के 05 रेस्टोरेन्ट रैंकिंग के अनुरूप पाये गये एवं 05 रैंकिंग के अनुरूप नहीं पाये गये।

रेस्टोरेंन्ट सर्वे के दौरान उपरोक्त रैंकिंग के उच्च पायदान पर भोज रेस्टोरेंन्ट – 38,रामा ओडेशी रेस्टोरेन्ट (रामप्रस्थ)– 30,रामेश्वर रेस्टोरेंट – 27, चन्द्रा रेस्टोरेन्ट – 26 तथा श्रीराम रेस्टोरेन्ट – 25 रहे। वही वे रेस्टोरेंन्ट जो सर्वे के दौरान उपरोक्त रैंकिंग के निचले पायेदान पर पाये गये उनमें रामानन्द रेस्टोरेंट – 23,चित्रा भोजनालय एवं रेस्टोरेन्ट – 22,वीना रेजीडेन्सी– 18,श्री बालाजी स्वीट्स एवं रेस्टोरेन्ट – 17 तथा आनन्द रेस्टोरेन्ट अयोध्या बाईपास, अयोध्या – 15 रहे। इस संबंध में रैंकिंग करने निकले अधिकारियों व कर्मियों ने रैंकिंग के अनुरूप नहीं पाये गये रेस्टोरेंट्स को सलाह दी गयी है कि वह अपने को 15 दिनों के अंदर पायी गयी कमियों को दूर कर रैंकिंग मानकों के अनुसार अपने को विकसित कर लें।

महिला चिकित्सालय में नही रुक रही नर्सों द्वारा घूस लेने का सिलसिला

लिखित सूचना मिलने पर होगी कार्रवाई – सीएमएस

अयोध्या।महिला चिकित्सालय में प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ आर पी वर्मा के लाख कोशिश के बावजूद भर्ती मरीजों से स्टाफ नर्सों द्वारा अवैध वसूली पर रोक नहीं लग पा रहा है।इसकी शिकायत आये दिन अधिकतर भर्ती मरीजों के परिजन मौखिक रुप से प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ आर पी वर्मा से कर रहे है।लिखित रुप से शिकायत मरीजों के परिजन इस लिए नहीं कर रहे है कि कही महिला चिकित्सालय में तैनात कर्मियों द्वारा भर्ती उनके मरीजो के साथ दुर्व्यवहार न किया जाए।मालूम हो कि गुरुवार को जिला महिला चिकित्सालय में भर्ती महिला के परिजनों ने प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ आर पी वर्मा के कार्यालय में जाकर उनसे मौखिक शिकायत करते हुये बताया कि महिला चिकित्सालय में तैनात नर्सों द्वारा उनसे घूस के नाम पर पैसा मांगा जा रहा है। महिला चिकित्सालय में तैनात नर्सों द्वारा वहां पर भर्ती मरीजों व उनके परिजनों के साथ सुविधा शुल्क लेने का प्रकरण सिर्फ आज ही नहीं आया बल्कि इसके पहले ओपीडी विभाग से भी आया है।इस संबंध में सूचना मिलते ही प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक ने इस जांच करा रहे है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।